A-0413

Total Pages : 4 **Roll No. ----------**

DVS-104

वास्तु में विभिन्न साधन एवं अन्य विचार

Diploma in Vastu Shashtra (DVS)

1st Year, Examination 2024 (Dec.)

Time: 2:00 hrs Max. Marks: 100

नोट : यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

P.T.O.

खण्ड–'क'

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2x26=52]

Q.1. पिण्डसाधन की किन्हीं चार विधियों को सोदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

Q.2. अष्टक वर्गविचार पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

Q.3. वास्तुशास्त्रीय दृष्टिकोण से द्वार निर्णय पर आलेख प्रस्तुत कीजिए।

Q.4. द्वारस्थापन के मुहूर्तों पर विस्तृत आलेख लिखिए।

Q.5. जलस्थापन निर्धारण की विधि का विस्तारपूर्वक प्रतिपादित कीजिए।

खण्ड–'ख'

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4x12=48]

Q.1. इष्ट आय के निर्धारण पर वास्तुशास्त्रीय सिद्धान्त प्रस्तुत कीजिए।

Q.2. इष्ट नक्षत्र का चयन किस प्रकार करना चाहिए? वास्तुशास्त्र की दृष्टि से विचार प्रस्तुत कीजिए।

Q.3. द्वारनिर्धारण में वास्तुपदविन्यास का क्या महत्व है? वर्णन कीजिए।

Q.4. वास्तुशास्त्र के अनुसार गृहदोषों पर विचार प्रस्तुत कीजिए।

P.T.O.

Q.5. वास्तुशान्ति विचार पर चर्चा प्रस्तुत कीजिए।

Q.6. गृहदोषनिवारण के उपायों पर वास्तुशास्त्रीय दृष्टि से विचार कीजिए।

Q.7. गृहदशा का विचार किस प्रकार किया जाता है? सोदाहरण वर्णन कीजिए।

Q.8. गृहायु साधन का वर्णन कीजिए।

****